



वेनेजुएला की नई क्रिप्टोकॉरेन्सी: 'पेट्रो'

drishtiiias.com/hindi/printpdf/petro-cryptocurrency

चर्चा में क्यों?

वेनेजुएला ने 'पेट्रो' नामक अपनी एक नई आभासी मुद्रा (वर्चुअल करेंसी) जारी करने की घोषणा की है। इस नई मुद्रा का उपयोग वेनेजुएला के तेल, गैस, सोना और हीरा उद्योग कर सकेंगे।

प्रमुख बिंदु

- पेट्रो एक प्रकार की क्रिप्टोकॉरेन्सी है।
- क्रिप्टोकॉरेन्सी को डिजिटल करेंसी, वर्चुअल करेंसी, इंटरनेट करेंसी, ई-करेंसी या पीपुल्स-करेंसी भी कहा जाता है।
- इस मुद्रा के उपयोग और भुगतान के लिये क्रिप्टोग्राफी नामक तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।
- विश्व की पहली क्रिप्टोकॉरेन्सी बिटकॉइन है।
- क्रिप्टोकॉरेन्सी को कहीं भी आसानी से ट्रांसफर किया जा सकता है तथा किसी अन्य मुद्रा जैसे- डॉलर, यूरो आदि में भी आसानी से परिवर्तित किया जा सकता है।
- क्रिप्टोकॉरेन्सी से कुछ जोखिम भी जुड़े हुए हैं। यह बेहद उछाल और गिरावट वाली मुद्रा है। बिटकॉइन की चोरी या घोटाले जैसी खबरों से ही इसकी कीमतों में गिरावट आ जाती है।
- इसे खरीदने और बेचने वालों का एक-दूसरे से अपरिचित होना भी एक प्रकार का जोखिम है।
- क्रिप्टोकॉरेन्सी का कोई नियामक प्राधिकरण नहीं है। धोखाधड़ी होने की स्थिति में ऐसा कोई प्राधिकारी नहीं है, जिसके समक्ष इसकी शिकायत लेकर जाया जा सके।

वेनेजुएला द्वारा 'पेट्रो' करेंसी जारी करने के कारण

- वेनेजुएला पर लगभग 9 लाख करोड़ का विदेशी कर्ज है।
- वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था हमेशा से ही यहाँ के तेल-संसाधनों पर निर्भर रही है, लेकिन तेल के अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में गिरावट के चलते इसे आर्थिक और राजनीतिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।
- अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण भी यहाँ की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है।
- तेल राजस्व में कमी के साथ-साथ वेनेजुएला की मुद्रा बोलिवर में लगातार हो रही गिरावट ने भी आर्थिक चुनौतियाँ उत्पन्न कर दी थीं। पिछले 4-5 सप्ताह में ही बोलिवर में 57% की गिरावट हुई है।
- वर्चुअल करेंसी बिटकॉइन की बढ़ती लोकप्रियता भी इसका एक कारण है।
- यह उम्मीद की जा रही है कि नई मुद्रा वेनेजुएला को लेन-देन में रुकावटों से निपटने तथा आर्थिक स्थिरता लाने में मदद करेगी।